

बाध्मे ब्रनान्वृषभेव मन्युना घैर्णा मीङ्कु रुचीषम ६, ४६, ५. असंज्ञि कलशं
अभि मीङ्कु सप्तिर्वौज्युः ९, १०६, १२, १०७, ११. = धन NAIGH. २, १०. Der
Form nach zu मिळू gehörig. — Vgl. शत०, देव०, द्वि०, पुर०, मु०, स्व-
मीङ्कु.

मीतुष्य (von मीढ़स्) m. N. pr. eines Sohnes des Indra von der Pau-
lomti BHĀG. P. ६, १८, ६. — Vgl. देव०.

मीतुष्टम s. u. मीढ़स्.

मीढ़स् (nach den Grammatikern partic. perf. von १. मिळू) P. ६, १, १२.
VOP. २६, १३५. मीढ़सम्, मीढ़षे, मीढ़क्षेष, voc. ved. मीढ़स P. ४, ३, १, Sch.
१) adj. a) etwa *spendend, freigebig:* (ऋग्य) मीढ़ा अस्माकं ब्रह्मात् RV.
१, २७, २. प्रति प्र पालीन्द मीढ़क्षेषा नृ० १६९, ६, १७३, १२. यथा नो मीढ़ा-
न्स्तवत् साक्षा तव॑ २, २४, १, ८, २३, १४. आदत्य AV. ४३, २, १. Unter den Göt-
tern führen dieses Beiwort vorzugsweise Rudra (Çiva) RV. १, ११४, ३.
१२२, १, २, ३३, १४. MBH. ३, १६२८, ७, ९५२४, १४, १९५. HARIV. १४८०. BHĀG. P. ३,
१४, ३४, ५, ७, २४, ४३, ८, ७, ४५. superl. मीढ़क्षष्टम, मीढ़ुष्टम RV. १, ४३, १.
VS. १६, ११, २९. BHĀG. P. ४, ७, ६. Agni RV. २, ४, १, ३, १६, ३, ४, ५, १. auch Va-
ruṇa १, ३६, ६, ७, ८६, ७, ८८, १. Mitra ४, ३, ५. Vishnu १, ५५, ४, ७, ४०, ५. Par-
गांजा १०२, १. Indra TBR. ३, १, २, २. — b) *gut befruchtend* (= रेतःसेक्तुर्
Schol.), von einem Bocke BHĀG. P. १९, ५. — २) m. N. pr. eines Soh-
nes des Daksha BHĀG. P. १, २, १९.

मीन॑ उण्डिस. ३, ३, १) m. a) *Fisch* AK. १, २, २, १७. TRIK. १, २, १६, ३, ३, २५१.
H. १३४३. an. २, २७९. MED. n. १३. HALĀJ. ३, ३५. VIÇVA bei UGGĀVAL. zu Uṇā-
dis. ३, ३. M. ११, ६८. MBH. १, २३८८, ३, १२२४८. R. १, ४४, २४, २, ४०, ३४, ३, ६८, ७,
५, २८, १३. SUÇR. २, २, २०, ३६४, २. RAGH. १, ७३. RT. १, २०. MEGH. ११९.
११७३, २२३४, ४७२३. VARĀH. BRH. S. ८७, ७. KATHĀS. ६०, ८५. केशव धृतमीनश-
री॒ Gtr. १, ५. BHĀG. P. ३, २, ८. °पुङ्कु॒ VARĀH. BRH. S. ६८, ४५. °युग्मा॒ zwei in
einander geschlungene Fische (eine bekannte Figur) ४४. °द्वय॒ BHĀG. P.
३, २८, ३०. Der Fisch ist Kāma's Attribut H. २२९. Am Ende eines adj.
comp. f. शा॒ MBH. ६, ४७१५, १६, १४०. HARIV. १३४१३. RĀGA-TAB. ३, ११६. — b)
sg. die Fische im Thierkreise TRIK. ३, ३, २५१. H. ११६, Sch. H. an. MED.
VIÇVA a. a. O. WEBER, NAX. २, ३३८. ĜYOT. २१. R. १, १९, ८ (१८, १५ ed. Bomb.).
VARĀH. BRH. ४, १८, २३, १, २६, ६, २७, ३५. MĀRK. P. ३४, ७९. Verz. d. Oxf. H.
११७, b, ३२. अन्योऽन्यपृच्छाभिमुखे हि॒ मीनो॒ मत्स्यद्वयम्॒ Čātpati in Z. f. d.
K. d. M. ३, ३४९. °युग्मा॒ VARĀH. BRH. २६, ६. — c) N. pr. eines Joga-Lehr-
ers (= मीनानाथ) Verz. d. Oxf. H. १०१, a, ३४, २३३, b, ३९ (Verz. d. B. H.
No. ६४७. HALL १६). — २) f. शा॒ N. pr. einer Tochter der Ushā und Ge-
mablin Kaçjapa's VAHNIP. im ÇKD. — Vgl. नड०, नल०, नेत्रमीना,
मलामीन, मैनाल, मैनिक.

मीनकेतन (मीन + केत) m. Bein. des Liebesgottes AK. १, १, १, २०. H.
२२९, Sch.

मीनगन्धा (मीन + गन्ध) f. Bein. der Satjavatt Verz. d. Oxf. H. ८०,
b, ३३. — Vgl. मत्स्यगन्धा.

मीनगोप्यिका (मीन + गो) f. Teich TRIK. १, २, २८.

मीनघातिन् (मीन + घा०) m. १) *Fischköder, Fischer* ÇKD. — २) Kra-
nick RĀGA. im ÇKD. मीनघातिन् WILSON nach ders. Aut.

मीननाथ (मीन + नाथ) m. N. pr. eines Joga-Lehrers HALL १३. Verz.
d. Oxf. H. १०१, b, १, २३६, a, २४. Verz. d. Tüb. H. २०.

मीननेत्रा (मीन + नेत्र) f. eine Art Dūrvā-Gras (गण्डहर्वा) RĀGA.

im ÇKD. — Vgl. नेत्रमीना.

मीनरङ्ग (von मीन) gaña अस्मादि zu P. ४, २, ८०. m. ein best. Meerthier,
= मकर TRIK. १, २, २२.

मीनरङ्ग (मीन + रङ्ग) m. Eisvogel TRIK. २, ३, २७.

मीनरथ (मीन + रथ) m. N. pr. eines Fürsten VP. ३९०.

मीनराज (मीन + राज) m. १) der König der Fische BHĀG. P. १, ६, ४०.
— २) N. pr. eines Astrologen Verz. d. Oxf. H. ३२९, b, १०.

मीनराजातक (मीन + राज०) n. Titel eines astrologischen Werkes
des Javaneçvara Verz. d. Oxf. H. ३२९, a, No. ७८१.

मीनवत् (von मीन) adj. reich an Fischen: पुञ्चरिएषः MBH. ३, १२७२०.

मीनाज्ञ (मीन + अज्ञ आज्ञ) १) m. N. pr. eines Daitja HARIV. १२९३३. श्या-
घात die neuere Ausg. — २) f. शा a) eine Soma-Pfianze und eine Art
Dūrvā-Gras RĀGA. im ÇKD. Vgl. मत्स्याती. — b) N. pr. einer Tochter
Kuvera's ÇKD. nach den PURĀNA.

मीनाघातिन् s. मीनघातिन्.

मीनाएडी (मीन + आड) f. Sandzucker RĀGA. im ÇKD.

मीनामीणा m. १) = दृक्षराम (wohl die richtige Form für दृक्षराम) eine
Art Brühe. — २) Bachstelze MED. n. १०३. — H. an. ४, ४५. fg. liest मी-
नामीणा und दृक्षराम st. दृक्षराम.

मीनालय (मीन + आल०) m. das Meer DHANĀNGAJA im ÇKD.

मीम् मीमति gehen, sich bewegen (einen best. Laut von sich geben v. l.)
DHĀTUP. १३, २५. — Vgl. २. मा.

मीमांसक m. १) (vom desid. von मन्) nom. ag. Erwäger, Prüfer; s.
काव्य०. — २) मी॒० (von मीमांसा) ein Anhänger des Mimāṃsa-Sys-
tems gaña क्रमादि zu P. ४, २, ६१. TAITT. PRĀT. in Ind. St. ४, २३१. MA-
DHUS. ebend. १, २३, १६. Verz. d. B. H. १६०. No. ११७८. Verz. d. Oxf. H.
१६३, a, ८, २४२, b, No. ३९९. MUIR, ST. ३, ३६, १०१. ÇĀMK. zu BRH. ĀR. UP.
S. ८. Schol. zu KĀT. CR. १२४, १ v. u. जार्मीमांसक SĀH. D. २६, ३. °डुक्ट्रू
P. २, १, ३३, Sch.

मीमांसन् (vom desid. von मन्) nom. ag. Erwäger, Prüfer P. ३, २,
१४९, Sch.

मीमांसा (wie eben) f. १) Reflexion, Ueberlegung, Ansicht; Abwägung,
Erörterung, Beanstandung ÇAT. BR. १, ३, ५, १२. सो इषा मीमांसिवेतरं तु
क्रियते ४, १, १, १६, २, १, ७, ३, ३, ८. चित्पुरीषाणाम् ४, ७, १, १२, १४, ४, ३, ३०.
४, १, २, ४, ४. TBR. ३, ३, ४, ६, ८, ३. सैषा मीमांसाग्निहोत्र एव संपत्ता १०, १, २.
ÇĀNKH. BR. २६, २. TAITT. ĀR. १, १२, ५. सैषानन्दस्य मीमांसा भवति TAITT.
UP. २, ८. BURN. Intr. ६२३. काल्प० Verz. d. B. H. No. ८७३. Vgl. दत्क०.
— २) die Erörterung des heiligen Textes, Bez. eines philosophischen
Systems, das sich in die पूर्व० oder कर्म० und in die उत्तर०, ब्रह्म० (s.
bes.), शारीरकमीमांसा oder वेदात् spaltet; als Gründer der ersten wird
Gaimini, als Gründer der zweiten Bādarājaṇa genannt. H. २३१.
२३३. HALĀJ. १, १०. IND. ST. ४, १३, १९, २८१, ३०१, २, ३६, ३, २६०. fg. gaña क्र-
मादि zu P. ४, २, ६१. °क्लेत्वाक्यसै॒: HARIV. १४०६२ (der ganze halbe Çloka
fehlt in der neueren Ausg.). KĀM. NĪTIS. २, १३. VP. २८४. PRAB. ८६, १२.
DHŪRTAS. in LA. ६७, १०. Verz. d. Oxf. H. ८६, b, ४४. °कृत॒ Bez. Gaimini's
Spr. ३२३३. Die folgenden Compp. sind Titel von Mimāṃsa-Schriften:
°कैतूल्लवृत्ति HALL १८२. °कैस्तुभ१८०. COLEBR. MISC. ESS. I, २९९. Verz.
d. Oxf. H. ३३३, a, No. ८३६. °झीवरता HALL १९३. °तत्त्वचन्द्रिका १९३. °त-